www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 145 | जौनपुर शुक्रवार, 09 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

इंदौर दूषित पानी मामले की न्यायिक जांच हो : दिग्विजय सिंह

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने इंदौर में दूषित जल पीने से हुई मौत और सैकड़ों लोगों के बीमार पड़ने के मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग की। दिग्विजय सिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा है कि इंदौर मेरे बचपन का शहर, मेरे राज्य का सबसे विकसित शहर और देश का सबसे स्वच्छ शहर है। राज्य की आर्थिक राजधानी में इसकी गिनती होती है, और उसी इंदौर शहर में 18 लोग गंदा पानी पीने से मर जाते हैं। जब तक आंकड़ा 2–4 मौत का रहा, किसी ने सांस नहीं ली, लेकिन जब मौतों की गिनती बढ़ने लगी, तो सबने जिम्मेदारी की टोपी सब दूसरे को पहनाना शुरू कर दिया। मंत्री ने अफसर को, अफसर ने मेयर को, मेयर ने व्यवस्था को और इन सब के बीच बात घंटे की लड़ाई पर उलझ गई। इंदौर के प्रभारी मंत्री पर सवाल उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री से कोई सवाल नहीं पूछ रहा कि वे हर दूसरे दिन शहर में आते हैं और वे महज मौत का मुआवजा देकर चुप क्यों हो गए? कुछ ट्रांसफर और मुआवजे से शहर का कलंक नहीं धुलता। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की है कि इस हादसे की न्यायिक जांच हो, पब्लिक के सामने सुनवाई हो और हाईकोर्ट के सिटिंग जज से इसकी जांच करायी जाए। उन्होंने आगे कहा कि मौत के मुआवजे से जिंदगी नहीं लौटती।

दागी उम्मीदवारों की पूरी जानकारी के साथ नई सूची जारी करने का आदेश

कोलकाता, (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि वह दागी उम्मीदवारों की एक नई और विस्तृत सूची अदालत में दाखिल करे, ताकि उनकी सही पहचान की जा सके। यह आदेश उन 1806 दागी उम्मीदवारों से जुड़ा है, जिनकी नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रद्द की गई थीं। इस मामले की अगली सुनवाई 11 फरवरी को होगी। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि एसएससी द्वारा दाखिल मौजूदा रिपोर्ट में उम्मीदवारों के रोल नंबर, नाम, विषय, अभिभावक का नाम और जन्मतिथि तो दी गई है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि वे किस श्रेणी (कैटेगरी) में दागी पाए गए। अदालत ने यह भी नोट किया कि सूची में यह जानकारी नहीं है कि उम्मीदवार को किस स्कूल और किस जिले में 2016 की पहली स्कूल–स्तरीय चयन परीक्षा के तहत नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति सिन्हा ने एसएससी को निर्देश दिया कि वह ऐसी पूरी जानकारी के साथ सूची प्रकाशित करे, जिससे उम्मीदवारों की स्पष्ट पहचान हो सके। अदालत ने कहा कि यदि पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, तो यह आशंका बनी रहेगी कि दागी उम्मीदवार नई भर्ती प्रक्रिया में फिर से शामिल हो सकते हैं।

पीएम मोदी सोमनाथ मंदिर में दर्शन और जर्मन चांसलर की करेंगे मेजबानी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय गुजरात दौरे के तहत 10 जनवरी को गुजरात पहुंचेंगे। इस दौरान वह ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे और गांधीनगर में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री गुजरात दौरे के दौरान सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत शौर्य यात्रा का नेतृत्व करेंगे। यह एक किलोमीटर लंबी यात्रा होगी, जिसमें 108 घोड़े शामिल होंगे। पीएम मोदी राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन का भी उद्घाटन करेंगे। राज्य मंत्री और सरकारी प्रवक्ता जीतू वाघानी ने बताया, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत मोदी

10 जनवरी की शाम को वेरावल के पास सोमनाथ मंदिर पहुंचेंगे। स्वाभिमान पर्व भारतीय सभ्यता के लचीलेपन का प्रतीक है, जिसका प्रतीक सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण है। इस मंदिर को लगभग 1000 साल पहले महमूद गजनी के आक्रमण से शुरू होकर विदेशी आक्रमणकारियों ने बार–बार तबाह किया था। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में अरब सागर तट पर स्थित भगवान शिव के मंदिर में साल भर उत्सव मनाया जा रहा है। वाघानी ने बताया, सोमनाथ पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मंदिर परिसर में ड्रोन शो में शामिल होंगे और श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उसकी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। 11 जनवरी को मोदी मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे, मंदिर के पास स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और दोपहर में अपने सार्वजनिक संबोधन स्थल तक 108 घोड़ों की भव्य शौर्य यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद वे राजकोट जाएंगे और कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) का उद्घाटन करेंगे। 11 जनवरी को, मोदी साबरमती आश्रम का दौरा करेंगे, जिसका वर्तमान में बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार और विस्तार कार्य चल रहा है।

चंद्रबाबू नायडू ने अमित शाह से मुलाकात की, अमरावती के लिए वैधानिक दर्जे की मांग की

आंध्र प्रदेश, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अनुरोध किया कि संसद में एक विधेयक लाकर राज्य की राजधानी के रूप में अमरावती को वैधानिक दर्जा प्रदान किया जाए। नायडू ने कहा कि इस तरह का कदम राज्य के दीर्घकालिक विकास तथा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यहां शाह के आवास पर हुई बैठक में नायडू ने हाल में लागू विकसित भारत–जी राम जी योजना के वित्तीय प्रावधानों को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने कहा कि 60:40 के अनुपात में केंद्र और राज्य का परिवर्तित वित्तपोषण आंध्र प्रदेश पर अतिरिक्त बोझ डालेगा और योजना के क्रियान्वयन को प्रतिकूल तरीके से

प्रभावित कर सकता है। मुख्यमंत्री ने राज्य की मौजूदा वित्तीय हालत को ध्यान में रखकर वैकल्पिक वित्तीय समर्थन देने का अनुरोध भी किया।चर्चा के दौरान, दोनों नेताओं ने आंध्र प्रदेश से संबंधित प्रमुख विकास और कल्याणकारी पहलों की समीक्षा की. साथ ही नीतिगत स्पष्टता की आवश्यकता पर जोर देते हुए।

जायजा लेने कोलकाता पहुंचे जेपी नड्डा

कोलकाता, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इस दौरान जेपी नड्डा कई बैठकों में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही टीएमसी शासित राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को तेज करेंगे। पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और पार्टी की राज्य इकाई के अन्य नेताओं ने कोलकाता हवाई अड्डे पर नड्डा का स्वागत किया। अपनी यात्रा के दौरान नड्डा भाजपा के जिला अध्यक्षों, पार्टी के विभिन्न विभागों के संयोजकों और प्रवासी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने वाले हैं। पार्टी ने बताया कि नड्डा पश्चिम बंगाल भाजपा की कोर टीम के साथ भी बैठक करेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष गुरुवार शाम कोलकाता के तंगरा

इलाके में पार्टी की ओर से आयोजित डॉक्टर्स मीट में हिस्सा लेंगे। नड्डा शुक्रवार को कोलकाता के चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (सीएनसीआई) का दौरा करेंगे। वे नादिया जिले के एम्स–कल्याणी में विकिरण ऑन्कोलॉजी, ट्रॉमा और आपातकालीन चिकित्सा विभाग और वायवीय ट्यूब प्रणाली का भी उद्घाटन करेंगे। आगामी चुनावों के लिए भाजपा की तैयारियां पूरे जोर–शोर से चल रही हैं। इसे लेकर पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य में ममता बनर्जी सरकार को सत्ता से बेदखल करने के लिए पार्टी के चुनावी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की अपनी हालिया यात्रा के दौरान अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस शासन के तहत भ्रष्टाचार, कुशासन और घुसपैठियों के मुद्दों को उठाकर विधानसभा चुनावों का माहौल तैयार किया था।

जनता दर्शन में योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार का संकल्प है। सीएम ने अफसरों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ

कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने काफिला रोककर की घायल व्यक्ति की मदद

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार एक बार फिर अपनी मानवीय भावना के कारण चर्चा में हैं। पुणे में एक सड़क दुर्घटना देखकर उन्होंने तुरंत अपना काफिला रोक दिया और घायल व्यक्ति को सहायता प्रदान की। यह घटना पुणे के शिवाजीनगर इलाके में सर्किट हाउस के पास हुई,

जब सुबह करीब साढ़े छह बजे अजित पवार का काफिला वहां से गुजर रहा था। अजित पवार अपने निवास से सर्किट हाउस की ओर जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने सड़क पर दुर्घटना का शिकार हुए एक व्यक्ति को देखा। दुर्घटना में एक दोपहिया वाहन चालक को मामूली

चोटें आई थीं। प्रोटोकॉल और सुरक्षा व्यवस्था की परवाह न करते हुए अजित पवार ने तुरंत काफिला रुकवाने का आदेश दिया। वे खुद गाड़ी से उतरे और घायल व्यक्ति के पास पहुंचे। उन्होंने घायल से उसकी हालत के बारे में पूछा और उसे पानी पिलाया। साथ ही, अपने काफिले में शामिल एम्बुलेंस से डॉक्टर को बुलाकर प्राथमिक उपचार करवाया। अजित पवार ने घायल को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए, लेकिन घायल ने बताया कि उसकी चोट गंभीर नहीं है और केवल उंगली पर मामूली चोट लगी है। इसके बाद घायल ने अजित पवार से हाथ मिलाया और वे अपनी यात्रा पर आगे बढ़ गए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग अजित पवार की इस त्वरित और संवेदनशील प्रतिक्रिया की खूब सराहना कर रहे हैं। व्यस्त राजनीतिक कार्यक्रम और सुरक्षा घेरे के बावजूद एक आम नागरिक की मदद के लिए रुकना, एक जिम्मेदार नेता की मिसाल माना जा रहा है। कई लोगों ने इसे राजनीति से ऊपर उठकर मानवता का उदाहरण बताया है।

नए जिला परिषद–ब्लॉक समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए : भगवंत मान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नए चुनें गए जिला परिषद और ब्लॉक समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी है जो सिर्फ काम के नाम पर टवजम माँगती है। अकाली दल–कांग्रेस और बीजेपी एक साथ है, ये भगवंत मान को रोकना चाहते हैं लेकिन रोक नहीं पायेंगे। आपमें से ही कई लोग विधानसभा तक भी जाएँगे। आम आदमी पार्टी एक अनुशासित पार्टी है। दूसरी पार्टी वालों को तो माघी मेले में भाषण देने के लिए भी लोग नहीं मिल रहे हैं। बीजेपी, कांग्रेस और अकाली दल को वोट मत दे देना, यह पंजाब को बर्बाद कर देंगे। पिछली सरकारों ने पंजाब को नशे के जाल में फंसा दिया था। हमारी सरकार ने राज्य को नशा मुक्त बनाने का अभियान चलाया और बड़े–बड़े नशा तस्करों को जेल में डाल दिया है। मेरी जनता से अपील है कि नशा तस्करों को संरक्षण देने वाली पार्टियों को वोट मत देना, यह पंजाब को फिर से बर्बाद कर देंगे। अगर इन लोगों को वोट दे दिया तो आपको फ्री बिजली मिलना बंद हो जाएगी, मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल बंद हो जायेंगे। युवाओं को नौकरियां मिलना बंद हो जाएंगी। आम आदमी पार्टी (आप) के

राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं लुधियाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है।

खड़गे का बड़ा दांव : चुनावी राज्यों में वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त

कोलकात, (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में तत्काल प्रभाव से पार्टी नेताओं को एआईसीसी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया।एआईसीसी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पार्टी ने असम विधानसभा चुनावों के लिए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और बंधु तिर्की को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया हैइसके साथ ही कांग्रेस ने केरल विधानसभा चुनावों के लिए राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, कर्नाटक के मंत्री केजे जॉर्ज, राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और कन्हैया कुमार को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनावों के लिए पार्टी ने मुकुल वासनिक, तेलंगाना के मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, और काजी मोहम्मद निजामुद्दीन को वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने सुदीप रॉय बर्मन, शकील अहमद खान और प्रकाश जोशी को वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है। असम, केरल,

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जो अप्रैल और मई में होने की संभावना है। इन राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमशः मई और जून में समाप्त हो रहा है। ऐसे में वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की घोषणा इन राज्यों के लिए महत्वपूर्ण है।आगामी विधानसभा चुनावों के लिए वरिष्ठ नेताओं की नियुक्ति इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कांग्रेस पिछले चुनावों में खोई हुई जमीन को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है।बिहार विधानसभा चुनावों में कोई खास प्रभाव न डाल पाने के बाद, पार्टी अब आगामी राज्य चुनावों में चुनावी लाभ की तलाश में है। इसलिए, उसने पूर्व मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों सहित वरिष्ठ नेताओं को चुनाव प्रचार का नेतृत्व करने और स्थिति में बदलाव लाने की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि, पश्चिम बंगाल के लिए नियुक्त वरिष्ठ पर्यवेक्षकों में किसी भी दिग्गज नेता की अनुपस्थिति ने सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठ रहा है ।

जनता जिसे चाहेगी, आप उसे टिकट देगी : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं। लुधियाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है। केजरीवाल ने एएनआई से कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों को टिकट देने वाली पार्टी है। आपको टिकट केवल आपके काम के आधार पर ही मिल सकता है। केजरीवाल उसी को टिकट देंगे जिसे जनता पसंद करती है। आप के संस्थापक सिद्धांतों को दोहराते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का गठन आम पृष्ठभूमि के ईमानदार और सक्षम व्यक्तियों को राजनीति में लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जन–केंद्रित शासन के लिए

किया गया था। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे पंजाब विरोधी और सिख विरोधी बताया। मुख्यमंत्री मान ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी जी के वीडियो में गुरु तेग बहादुर जी के नाम का दुरुपयोग करने के लिए भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग की, जिसे उन्होंने शर्मनाक कृत्य बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, मान ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आतिशी जी के उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने कभी नहीं बोले और गुरु तेग बहादुर जी का नाम गलत तरीके से जोड़कर पूज्य सिख गुरु का अपमान किया है। पोस्ट में लिखा था कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से पंजाब और सिखों के खिलाफ रही है। आज फिर से उसका पंजाब विरोधी और सिख विरोधी चेहरा सामने आ गया है, जब उन्होंने आतिशी जी के वीडियो में उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने बोले तक नहीं थे और उसमें गुरु साहब का नाम जोड़कर गुरु साहब का अपमान किया है। इस शर्मनाक कृत्य के लिए भाजपा को सिख समुदाय और पंजाबियों से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री मान की ये टिप्पणी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उठे राजनीतिक विवाद के बीच आई है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने कहा था कि भाजपा ने दिल्ली के एक्स अकाउंट द्वारा साझा किए गए।

संपादकीय

धमकी भर से हड़कंप

ट्रंप भारत को लगातार धमकियां दे रहे हैं, इसके बावजूद कि भारत ने अमेरिका से दोगुना तेल खरीदा है। मुद्दा है कि भारत अमेरिका के सामने इतना लाचार क्यों नजर आता है? जाहिरा तौर पर इसकी वजह भारत की अपनी कमजोरियां हैं। डॉनल्ड ट्रंप ने संकेतों की भाषा में धमकी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें खुश रखें, वरना भारत और वे और टैरिफ लगा देंगे। इतने भर से भारत के कारोबार जगत में बेचैनी फैल गई। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स ने कहा कि अमेरिका ने मौजूदा 50 फीसदी टैरिफ को बढ़ाया, तो उसका भारतीय निर्यात पर बहुत खराब असर होगा। खासकर निर्यात के पारंपरिक क्षेत्र इससे अधिक प्रभावित होंगे। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि पहले से लगे टैरिफ के कारण बीते मई से नवंबर तक अमेरिका के लिए भारतीय निर्यात में 20.7 प्रतिशत की गिरावट आई। टैरिफ और बढ़ा, इस गिरावट की रफ्तार और तेज हो जाएगी। जीटीआरआई ने ध्यान दिलाया कि भारत के पास रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन की तरह सौदेबाजी की ताकत नहीं है। इसलिए ट्रंप भारत को लगातार धमकियां दे रहे हैं, इसके बावजूद कि भारत ने गुजरे महीनों में अमेरिका से दोगुना तेल खरीदा है। मुद्दा है कि भारत अमेरिका के सामने इतना लाचार क्यों नजर आता है? जाहिरा तौर पर इसकी वजह भारत की अपनी कमजोरियां हैं। हाल में एक आरटीआई अर्जी पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्वीकार किया था कि भारतीय निर्यात में आई गिरावट का कारण सिर्फ अमेरिकी टैरिफ नहीं है। बल्कि लागत सामग्रियों की महंगाई, उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं इसकी जांच करने की सुविधाओं की कमी, और पर्याप्त संख्या में शिपिंग कंटेनर्स का उपलब्ध ना होना भी भारतीय निर्यात के सामने प्रमुख रुकावटें हैं। गुजरे नवंबर में एक बैठक के दौरान भारतीय निर्यातकों ने इन समस्याओं की जानकारी वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को दी थी। जिस समय ट्रंप प्रशासन ने अपनी एकतरफा कार्रवाइयों से विश्व व्यापार के पुराने नियम बदल दिए हैं, केंद्र और भारतीय उद्योगपतियों को इन मसलों के समाधान ढूंढने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए थी। टैरिफ भले अचानक लगा हो, मगर उपरोक्त समस्याओं पर ध्यान तो पहले से होना चाहिए था। इन रुकावटों के कारण दूसरे बाजारों तक पहुंचने के प्रयास भी कठिन बने हुए हैं। इस बीच ट्रंप की धमकियों को चुपचाप सुनना भारत की मजबूरी बनी हुई है।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला और राष्ट्रपति का अपहरण ग्लोबल साउथ के लिए खतरा

डॉ. अरुण

मित्रा ट्रंप ने बिना किसी लाग–लपेट के कहा है कि अब अमेरिका वेनेजुएला को नियंत्रित करेगा। इसका मतलब है कि एक शक्तिशाली देश दूसरे देशों के साथ बिना किसी रोक–टोक के कुछ भी कर सकता है। यूक्रेन और मध्य पूर्व में युद्ध के कारण पहले से ही अस्थिर हालात में दुनिया भर में स्थिति बहुत तनावपूर्ण हो गई है। वेनेजुएला पर अमेरिका की आक्रामकता, उसके चुने हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलियाफ्लोरेस का नार्कोटेररिज्म के मनगढ़ंत आरोपों में अपहरण, शेर और मेमने की जानी–पहचानी कहानी की याद दिलाता है। 2003 में जब अमेरिका ने इराक पर हमला किया था, तब भी ऐसा ही बहाना दिया गया था कि उसके पास बड़े पैमाने पर विनाश के हथियार हैं इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि वेनेजुएला के पास दुनिया के कुल तेल भंडार का 18 प्रतिशत हिस्सा है और अमेरिका उन पर पूरा नियंत्रण चाहता है। 1974 में हेनरी किसिंजर और सऊदी अरब के बीच एक समझौता हुआ था जिसके अनुसार सारा तेल अमेरिकी डॉलर में बेचा जाएगा और बदले में अमेरिका सऊदी अरब को सुरक्षा देगा। तब से डॉलर सर्वोच्च बन गया। अमेरिका कितने भी डॉलर छाप सकता है जबकि दूसरे देशों को इसके लिए काम करना पड़ता है। इसलिए कोई भी देश जो डॉलर के बाहर व्यापार करने की कोशिश करता है, उसे अमेरिका की दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। सद्दाम हुसैन और गद्दाफी को भी इसी तरह हटाया गया था और अब मादुरो के साथ भी ऐसा ही हुआ है। वेनेजुएला चीन के साथ युआन में तेल व्यापार कर रहा था, जिससे अमेरिकी सरकार नाराज थी। जब ब्रिक्स ने एक नई मुद्रा के बारे में बात की, तो ट्रम्प प्रशासन इस संभावना से परेशान था कि अमेरिकी डॉलर की जगह ब्रिक्स मुद्रा ले लेगी। हालांकि, काराकास में जो हुआ है, वह दुनिया को खतरनाक संकेत देता है कि अमेरिका दुनिया के किसी भी देश में किसी भी तरह की दादागिरी कर सकता है।रूस, चीन, ईरान, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और क्यूबा सहित कई देशों ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की निंदा की है, इसे वेनेजुएला की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन बताया है।स्पेन, ब्राजील, चिली, कोलंबिया, मैक्सिको और उरुग्वे ने एक संयुक्त बयान जारी कर श्वेनेजुएला में एकतरफा सैन्य अभियानोंश को गलत बताया और उसके प्राकृतिक संसाधनों का फायदा उठाने के खिलाफ चेतावनी दी। यूरोपीय यूनियन आयोग की अध्यक्ष उर्सुलावॉनडेरलेयेन ने कहा कि किसी भी समाधान में अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान होना चाहिए।ट्रंप ने बिना किसी लाग–लपेट के कहा है कि अब अमेरिका वेनेजुएला को नियंत्रित करेगा। इसका मतलब है कि एक शक्तिशाली देश दूसरे देशों के साथ बिना किसी रोक–टोक के कुछ भी कर सकता है। यूक्रेन और मध्य पूर्व में युद्ध के कारण पहले से ही अस्थिर हालात में दुनिया भर में स्थिति बहुत तनावपूर्ण हो गई है। यह निराशाजनक है कि भारत सरकार, जिसने एक समय दूसरे देशों की संप्रभुता के उल्लंघन के मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाया था, उसने केवल गहरी चिंता व्यक्त की और वेनेजुएला में भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की।इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार ने फिलिस्तीन पर इजरायली आक्रामकता का विरोध नहीं किया। इसके बजाय मोदी सरकार इजरायल के साथ हथियारों की खरीद के संबंधों को और विकसित कर रही है। भारत अब वियतनाम और इंडोनेशिया को 4500 लाख अमेरिकी डॉलर(लगभग 4000 करोड़ रुपये) मूल्य की ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात करने के लिए तैयार है।भारत ग्लोबल साउथ का नेता था जो न केवल आर्थिक सहयोग के लिए बल्कि परमाणु हथियारों की दौड़ और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा जैसे विभिन्न वैश्विक मुद्दों के समाधान के लिए भी भारत की ओर देखता था। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भू–राजनीति में भारत की स्थिति नीचे आ गई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बार–बार किए गए इस दावे का खंडन नहीं किया कि उन्होंने भारत–पाकिस्तान युद्ध को खत्म कराने में अहम भूमिका निभाई थी। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एनएससी) में दक्षिण और मध्य एशिया के सीनियर डायरेक्टर रंजीत रिकी सिंह गिल को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर बातचीत में उनकी भूमिका के लिए डिस्टिंग्विश्ड एक्शन अवॉर्ड दिया है। अब चीन ने भी ऐसा ही मध्यस्थता करने का बयान दिया है, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर भी एक शब्द नहीं कहा है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर ऊंचे टैरिफ लगाए हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय सरकार

पेंटागन के गलियारों में राहत के लिए भीख मांग रही है। वेनेजुएला पर हमले के बाद ट्रंप का हालिया बयान कि मोदी एक अच्छा आदमी है जो उन्हें खुश करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हम भारत पर टैरिफ बढ़ाएंगे। यह भारत देश का अपमान है। इतिहास को देखें तो हमें पता चलता है कि जब पूरा भारत देश की आजादी के लिए लड़ रहा था, तब आरएसएस ने औपनिवेशिक ब्रिटिश सरकार का साथ दिया था। वही विरासत आज भी जारी है! मौजूदा कट्टर सांप्रदायिक और कॉर्पोरेट समर्थक सरकार अखंड भारत की बात करने में व्यस्त है। आरएसएस के अनुसार, अखंड भारत एक अविभाजित देश की अवधारणा है जिसमें आज के अफगानिस्तान, नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, अक्साई चिन, तिब्बत और भूटान के कुछ हिस्से शामिल हैं। ऐसी स्थिति में पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों की उम्मीद कैसे की जा सकती है!भारत गुटनिरपेक्ष आन्दोलन (नैम) का नेता रहा है, जिसमें 100 से ज्यादा देश सदस्य थे, और जिनमें ज्यादातर विकासशील देश थे। वे स्थायी शांति और आर्थिक विकास के लिए भारत की ओर देखते थे। अमेरिकी नीतियों के अधीन होने का हमारा मौजूदा तरीका हमारी मदद नहीं करेगा। हमें यह समझना चाहिए कि वेनेजुएला के तेल पर अमेरिकी नियंत्रण की स्थिति में, भारत भी प्रभावित होगा क्योंकि हम उनसे काफी तेल खरीदते हैं।

ट्रंप, मादुरो और मोदी बनाम राजा की शान

मयक

रिलायंस किस देश से कितना तेल खरीदता है यह आमतौर पर ऐसा विषय नहीं है, जिसकी खबर में आम जनता की दिलचस्पी हो। फिर

भी रिलायंस इंडस्ट्रीज को यह सफाई पेश करने की जरूरत क्यों पड़ी, यह सोचने वाली बात है। क्या यह सफाई मोदी के हेडमास्टर की तरह व्यवहार कर रहे डोनाल्ड ट्रंप के लिए पेश की गई है। ध्यान रहे कि जब डोनाल्ड ट्रंप का शपथग्रहण समारोह हुआ था और एस जयशंकर को संभवतरू न्यौते के जुगाड़ के लिए पहले से अमेरिका भेजा गया था।न्यूयार्क सिटी की अदालत में जज एल्विन हेलरस्टीन ने निकोलस मादुरो पर मुकदमा शुरु करने से पहले अपनी पहचान बताने कहा, तो बेड़ियों से जकड़े मादुरो ने शांत होकर जवाब दिया, मैं निकोलस मादुरो हूं। मैं वेनेजुएला गणराज्य का राष्ट्रपति हूं और तीन जनवरी से यहां अगवा होकर रखा गया हूं। मुझे वेनेजुएला में कराकास से मेरे घर से पकड़ा गया। मादुरो ने यह भी कहा कि श्मैं निर्दोष हूं। मैं एक सभ्य इंसान हूं।सिकंदर और पोरस के बीच किस तरह का संवाद हुआ, इसका जिक्र केवल इतिहास में पढ़ा है। अब उसकी प्रत्यक्ष मिसाल देख ली। 326 ईसा पूर्व में झेलम नदी के किनारे सिकंदर और पोरस के बीच युद्ध हुआ जिसमें पोरस की हार हुई। पोरस को बंदी बनाने के बाद सिकंदर ने पोरस से पूछा कि उनके साथ किस तरह का सुलूक किया जाए। पोरस ने तुरंत जवाब दिया, श्जो एक राजा दूसरे राजा के साथ करता है।श इस जवाब से प्रभावित सिकंदर ने न केवल पोरस को युद्धक्षेत्र से जाने दिया, बल्कि उसकी जमीन भी उसे वापस कर दी। इस ऐतिहासिक संवाद का मर्म यही है कि राजा की आन, बान और शान उसकी सैन्य शक्ति, राज्य के क्षेत्रफल या धनसंपदा से नहीं बल्कि उसके नैतिक बल से कायम रहती है। अब राजशाही का जमाना नहीं है, लेकिन शासन चलाने के लिए शासन प्रमुख में साहस और नैतिक बल की दरकार तो शाश्वत है। इसके बिना न राजा का सम्मान रहता है, न उसके राज्य का। पोरस की शान आज तक बरकरार है, हम नहीं जानते कि मादुरो के साथ ट्रंप क्या सलूक करेंगे, लेकिन उन्होंने दुनिया में अपनी शान दिखा दी है। इस बीच ट्रंप का बड़बोलापन जारी है और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर उन्होंने नया बयान दे दिया है। इस बार डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाकात करनी चाही थी और पूछा था कि श्सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं। मैंने हां कहा क्योंकि मेरे उनके साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं।श्नरेन्द्र मोदी की अपनी शान का तो पता नहीं, लेकिन आजादी के बाद से अब तक अमेरिका के आगे न झुककर और उसकी घुड़कियों पर तुर्की ब तुर्की जवाब देकर जो शान भारत ने कमाई थी, मोदी उसे पूरी तरह मटियामेट करने पर तुल गए हैं। विपक्ष जाहिर तौर पर मोदी से जवाब मांग रहा है कि कम से कम अब तो कुछ कहिए। लेकिन मोदी ने न पहले कुछ कहा और न अब कुछ कहेंगे। बराक ओबामा को तो मोदी ने सबके सामने बराक कहकर बुलाया था, लेकिन ट्रंप को क्या अकेले में भी मोदी ने सर कहकर संबोधित किया, यह सोचने वाली बात है। हालांकि न ट्रंप ने पहली बार मोदी के नाम पर भारत का अपमान किया है और न मोदी ने पहली बार चुप्पी साधी है। दरअसल 11 सालों के शासन में नरेन्द्र मोदी ने यह जाहिर कर दिया है कि उन्हें भारत के इतिहास, संस्कृति, लोकतंत्र, संविधान, राजनैतिक मर्यादा और परंपराओं की कोई फिक्र नहीं है। उन्हें केवल अपनी सत्ता से मतलब है और वो भी इसलिए ताकि उसके जरिए पूंजीपतियों का हितसाधन हो सके।2014 से पहले भारत में यूपीए सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का जो काम किया गया और उस बीच अचानक नरेन्द्र मोदी को गुजरात से उठाकर दिल्ली की गद्दी पर बिठाने की रणनीति बनाई गई, तब से लेकर अब वेनेजुएला में निकोलस मादुरो का अपहरण और तख्ता पलट तक राजनीति की पहेली के टुकड़े बिखरे हुए हैं, इन्हें समेटे और एक सिरे से दूसरे सिरे को मिलाएं तो सत्ता को नियंत्रित करते पूंजीवादी गठजोड़ की तस्वीर बनती है। डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में जो काम पूरा नहीं कर पाए, उसे इस कार्यकाल में जल्दी से जल्दी निबटाना चाहते हैं। इसलिए सत्ता संभालते ही ट्रंप ने टैरिफ लगाने से लेकर तीसरी दुनिया के देशों पर अमेरिका का दबदबा थोपने का काम नए सिरे से शुरु किया। पाकिस्तान तो शुरु से अमेरिका के कदमों में बिछा हुआ है। अब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारत को भी ऐसा ही करने पर मजबूर कर रही है। क्योंकि तेल के व्यापार पर नियंत्रण और उसके जरिए डॉलर की बादशाहत बनाने का जो खेल अमेरिका 80 के दशक से तेज कर चुका है, अब भारत में अंबानी जैसे व्यापारियों का हित भी उसी से जुड़ा है।मोदी और अंबानी, अंबानी और ट्रंप, रूस और अंबानी के बीच तेल सौदा, इन सबसे पहले समझना जरूरी है कि यकायक वेनेजुएला पर हमले की वजह क्या है। वेनेजुएला के पास 303 अरब बैरल प्रमाणित तेल भंडार हैं। जो इस समय दुनिया में सबसे ज्यादा है, दुनिया के कुल तेल का यह 20 प्रतिशत है। लेकिन वेनेजुएला उस तेल को चीनी युआन में बेच रहा था। डॉलर में नहीं। 2018 में, वेनेजुएला ने घोषणा की कि वह श्डॉलर से खुद को मुक्तश करेगा। वेनेजुएला ने युआन, यूरो, रूबलकृडॉलर के अलावा अन्य मुद्राओं को भी तेल के बदले स्वीकार करना शुरू कर दिया था। इसके साथ ही वेनेजुएला ब्रिक्स में भी शामिल होना चाहता है। ऐसा हुआ तो दुनिया की जीडीपी के बड़े हिस्से में उसकी भी साझेदारी हो जाएगी। ब्रिक्स देशों में शामिल चीन पहले ही अमेरिका के एकाधिकार को चुनौती दे रहा है। उसकी बनाई भुगतान प्रणाली स्विफ्ट को दरकिनार करने के लिए चीन ने क्रास बॉर्डर इंटरबैंक पेमेंट सिस्टम (क्रिप्स) तैयार किया है, जिससे 185 देशों के 4800 से अधिक बैंक जुड़ चुके हैं। इसी तरह ब्रिक्स के देश भी ब्रिक्सपे के नाम से पेमेंट सिस्टम बना रहे हैं। इससे डी–डॉलराइजेशन की संभावनाएं बढ़ गई हैं। जबकि अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था पेट्रोडॉलर पर ही टिकी है।1974 में, हेनरी किसिंजर ने सऊदी अरब के साथ समझौता किया था कि दुनिया भर में बिकने वाला सारा तेल अमेरिकी डॉलर में मूल्य निर्धारित किया जाएगा। बदले में, अमेरिका सैन्य सुरक्षा प्रदान करेगा। इस समझौते से दुनिया भर में डॉलर की कृत्रिम मांग पैदा हुई, क्योंकि जिस भी देश को तेल खरीदना होता, तो उसके भुगतान के लिए डॉलर की जरूरत पड़ती। इससे अमेरिका केवल कागज पर बेशुमार डॉलर छापने लगा, जबकि बाकी देश अपनी जरूरतों के लिए तरह–तरह के समझौते करके डॉलर इकत्र्धा करते रहे। इस व्यवस्था को 2000 में चुनौती देते हुए इराक के शासक सद्दाम हुसैन ने घोषणा की थी कि इराक तेल को डॉलर की बजाय यूरो में बेचेगा, तो नतीजा ये हुआ कि 2003 में इराक पर हमला कर सद्दाम हुसैन को फांसी दी गई। फिर 2009 में ऐसा ही दुस्साहस लीबिया के कर्नल गद्दाफी ने दिखाया और सोने से समर्थित अफ्रीकी मुद्रा श्गोल्ड दीनारश का प्रस्ताव तेल व्यापार के लिए रखा, जो समूचे अफ्रीकी महाद्वीप को आर्थिक तौर पर समर्थ बनाता। लेकिन अरब बसंत में लोकतंत्र के बहाने कर्नल गद्दाफी को भी 2011 में मरवा दिया गया।

भारतीय खेलों का निर्णायक क्षण

राहुल बोस

2025 भारत के खेलों के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित हुआ। यह साल सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मेडल जीतने के लिए महत्वपूर्ण नहीं था, बल्कि इसलिए भी खास रहा क्योंकि भारत के खेल तंत्र में बड़े बदलाव शुरू हुए। सरकार और निजी क्षेत्र ने खेलों में निवेश बढ़ाया, नई नीतियां बनाई गई और खेल सुविधाओं का विस्तार किया गया। अब इन कदमों को आगे बढ़ाने की जरूरत है ताकि भारत खेलों में मजबूत और सफल राष्ट्र बन सके। इस साल सरकार ने नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी (एनएसपी) 2025 को मंजूरी दी। यह नीति भारतीय खेलों के लिए एक लंबी अवधि की सोच और बेहतर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का लक्ष्य तय करती है। भारत पहले ही 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा भी जताई है। इसके बाद नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 लागू किया गया। इस कानून ने खेल प्रशासन की व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। अब फैसले मनमर्जी से नहीं, बल्कि पारदर्शी तरीके और तय नियमों के अनुसार होंगे। इस कानून में खिलाड़ियों को केंद्र में रखा गया है। चयन प्रक्रिया, फंडिंग से जुड़े फैसले और शिकायत निवारण जैसी चीजों के लिए साफ नियम, मानक और समय–सीमा तय की गई है। इससे अनियमितता कम होगी और खिलाड़ियों, खासकर छोटे शहरों और कम सुविधाओं वाले पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के बीच भरोसा बढ़ेगा। मेरे लिए सबसे खास बात यह है कि पहली बार इस कानून के तहत खेल संगठनों को अनिवार्य रूप से एक ष्सेफ स्पोर्ट्स पॉलिसीष अपनानी होगी, ताकि महिलाओं, नाबालिग खिलाड़ियों और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक आचार संहिता भी लागू करनी होगी। एक स्वतंत्र नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और विशेष स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल निगरानी रखेंगे, जिससे स्थिरता और निरंतरता बनी रहेगी। वहीं, खिलाड़ियों की भागीदारी और महिलाओं को निर्णय लेने वाली समितियों में शामिल करना, खेल संघों में शक्ति संतुलन को बेहतर बनाता है। इन सभी बदलावों से खेल व्यवस्था में निष्पक्षता, भरोसा और लंबी अवधि की स्थिरता आएगी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों में व्यक्तिगत रुचि दिखाई है। वे खिलाड़ियों और टीमों को अपने घर बुलाकर सिर्फ सम्मान ही नहीं देते, बल्कि उनसे खुलकर बातचीत भी करते हैं। इन मुलाकातों में खिलाड़ियों की जीवन यात्रा, उनकी चुनौतियाँ, त्याग और सफलताओं पर बात होती है। मैं भी अलग–अलग खेलों में भारत की प्रगति को बड़ी दिलचस्पी से देख रहा हूँ। इसी महीने जोशना चिनप्पा, अभय सिंह और अनाहत सिंह ने इतिहास रचा, जब भारत ने हांगकांग को 3–0 से हराकर पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप का खिताब जीता। भारतीय महिलाओं ने 2025 में दुनिया के खेल मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। नवंबर 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीता। इसी तरह, भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने भी अपनी पहली टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा। मुक्केबाजी में भी भारत ने शानदार शुरुआत की और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल 2025 में नौ स्वर्ण पदक जीते। एशियन यूथ गेम्स 2025 में भी भारत ने अब तक का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बिहार के राजगीर में हुए एशिया कप 2025 में दक्षिण कोरिया को 4–1 से हराकर खिताब जीता और आठ साल बाद फिर से एशियाई चौम्पियन बनी। 18 साल की शीतल देवी पैराआर्चरी में विश्व चौंपियन बनीं, और दिव्या देशमुख पहली भारतीय महिला बनीं जिन्होंने फाइड (स्नढ़ढष्ठश्व) महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीता।2025 में भारत की खेल सफलताएँ सिर्फ कुछ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि देश के अलग–अलग हिस्सों तक फैलीं। हाल ही में एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप तमिलनाडु में हुआ, और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल ग्रेटर नोएडा में आयोजित किए गए। अहमदाबाद में बने नए और विश्वस्तरीय वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 11वीं एशियन एक्वेटिक्स चौम्पियनशिप आयोजित हुई। रग्बी में भी बड़ी उपलब्धि देखी गई। बिहार के राजगीर में एशिया रग्बी एमिरेट्स अंडर–20 सेवन टूर्नामेंट हुआ, जिसमें भारतीय महिला टीम ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच ब्रॉन्ज मेडल जीता। एशिया रग्बी के अध्यक्ष कैस अल धलाई ने कहा कि बिहार में इस तरह का बड़ा युवा रग्बी टूर्नामेंट होना न सिर्फ खेल का जश्न है, बल्कि पूरे एशिया में खेल के फैलते विकास का मजबूत प्रमाण भी है। कई मायनों में रग्बी की प्रगति भी भारत के बड़े खेल बदलाव का ही हिस्सा है। जून 2025 में मुंबई में पहली बार रग्बी प्रीमियर लीग (क्रक्करु) का आयोजन हुआ। यह दुनिया की शुरुआती फ्रेंचाइजी आधारित रग्बी सेवन्स लीगों में से एक है। इसमें छह शहरों की टीमें (जैसे चेन्नई बुल्स, हैदराबाद हीरोज, मुंबई ड्रीम?र्स आदि) शामिल थीं, जिनमें भारतीय खिलाड़ियों के साथ न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, फिजी और ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े रग्बी देशों के 30 से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी भी खेले।

15 जून को मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए।

दिल्ली–ढाका के रिश्तों में बढ़ेगी खटास

डॉ. सुधीर सक्सेना

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया नहीं रहीं। 30 दिसंबर को फज्र की नमाज के बाद उन्होंने ढाका के एवर केयर हास्पिटल में अंतिम सांस ली। वह 23 नवंबर से अस्पताल में भर्ती थीं और दिल, जिगर और गुर्दे के अनेक विकारों के अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित थीं। रात दो बजे के करीब अस्पताल के डॉक्टर प्रो. एजेडएम हुसैन ने पत्रकारों को यह कहकर ब्रीफ किया कि बेगम जिया गंभीर संकट से गुजर रही हैं, लेकिन करीब चार घंटों के बाद उन्होंने ऐलान किया कि 80 वर्षीया बेगम नहीं रहीं। गौरतलब है कि बेगम शेख हसीना वाजेद के भारत में शरण लेने के बाद बेगम जिया बांग्लादेश में सबसे शक्तिशाली नेता के तौर पर चिन्हित थीं और आगामी 12 फरवरी को आसन्न चुनाव में उनकी पार्टी बीएनपी की सत्ता में वापसी का कयास लगाया जा रहा था। बेगम जिया ने जब आंखें मूंदी, तब उनका भरपुरा कुनबा वहां मौजूद था। उनके बेटे तारिक रहमान, बहू जुबैदा रहमान, बेटी जैमा के अलावा दिवंगत पुत्र अराफत रहमान कोके की बेवा सैयदा शमीला रहमान और बेटियां जाहिया एवं जाफिया, छोटा भाई शमीर इस्कंदर उसकी पत्नी कनीज फातिमा, दिवंगत भाई सईद की पत्नी नसरीन और बहन सेलिना इस्लाम उनके आखिरी लम्हों में उनकी नजरों के सामने थे। बेगम जिया का जन्म 12 फरवरी, सन 1945 को भारत में जलपाईगुड़ी में हुआ था। उनका लाड़प्यार का नाम पुतुल था। विभाजन पर उनका परिवार पूर्वी पाकिस्तान चला गया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा दिनाजपुर में मिशनरी एवं गर्ल्स स्कूल में हुई। सन 1965 में कैप्टेन जिया उर रहमान से शादी के बाद वह पाकिस्तान चली गयीं। बाद में कैप्टेन जिया बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे और खालिदा सन 1977–81 में देश की प्रथम महिला। कैप्टेन जिया ने सन 1978 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थापना की। 30 मई, 1981 को कैप्टेन जिया की हत्या के बाद जनवरी, सन 82 में बेगम ने बीएनपी ज्वाइन की और 10 मई सन 84 को वह पार्टी की चेयरपर्सन चुनी गयीं। जीवन के आखिरी पल तक वह इस पद पर बनी रहीं। सन 1991 से 1996 और फिर सन 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री रहकर उन्होंने इतिहास रच दिया। सन 2008 से 2014 के दरम्यान वह शेख हसीना वाजेद के प्रधानमंत्रित्व काल में नेता प्रतिपक्ष रहीं। दरअसल, बांग्लादेश की राजनीति में खालिदा जिया और शेख हसीना को प्रतिद्वंद्वी और विरोधी विचारधारा के प्रतिनिधि के तौर पर देखा जाता रहा है। शेख हसीना को जहां भारत के साथ अच्छे संबंधों और अल्पसंख्यकों के प्रति सदाशयता की हिमायती के तौर पर देखा जाता है, वहीं खालिदा जिया भारत–विरोधी बांग्ला राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व करती रहीं। वह मजहबी ताकतों को पोसने के लिये जानी जाती हैं। तीस्ता तीरे जनमी खालिदा की चर्चा आमोखास में रही है। उन्हें कमर मुरादावादी का शेर ष्अब मैं समझा तिरे रूख्सार पे तिल का मतलब। दौलते–हुस्न पे दरबान बिठा रखा हैश निहायत पसंद था। माना जा रहा था कि वह बीएनपी के पुनर्सत्तारोहण की वाहिका बनेंगी, लेकिन उनके निधन से सियासत की मुंडेर पर अटकलों का सब्जे उग आये हैं। यह सौ फीसदी तय है कि अब उनका बेटा तारिक उनका उत्तराधिकार संभालेगा और अवामी लीग पर पाबंदी के साये में चुनाव के बाद वही बतौर पीएम देश की बागडोर संभालेंगे। यूं तो बांग्लादेश की सियासत बंगबंधु मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद ही बेपटरी हो गयी थी, किंतु शेख हसीना के पलायन के बाद कटटरपंथी इस्लामी तत्वों की बन आई है। हिंदुओं की नृशंस हत्याएं और दमन इसका प्रमाण है। बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना को पाकिस्तान और चीन शह दे रहे हैं और उनकी गुप्तचर एजेंसियां वहां सक्रिय हैं। ढाका–इस्लामाबाद–वीजिंग नयी धुरी के तौर पर उभर रहे हैं ओर भारतीय सीमा के मात्र 12–15 किमी दूर लालमोनिरहाट एयरबेस को फिर से शुरू करने की चीन को अनुमति मिल गई है। अचरज की बात है कि इस्रायल बांग्ला फौज को प्रशिक्षण व उपकरण दे रहा है। हालात संकेत करते हैं कि आगामी समय में दिल्ली और ढाका के रिश्तों में खटास बढ़ेगी। सब कुछ आईने की मानिंद साफ है। कहीं कुछ भी कुहरिल या गोपन नहीं। वेनेजुएला में तीन जनवरी शनिवार की स्याह सर्द रात में जो कुछ हुआ वह अमेरिकी नव उपनिवेशवाद का ऐसा खूंखार आक्रामक चेहरा है जिस पर निर्लज्जता का लेप नजर आता है। भूमिका बरसों से बन रही थी, किंतु यह अंदेशा कतई नहीं था कि राष्ट्?पति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिकी डेल्टा फोर्स काराकास में श्ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व को इस तरह अंजाम देंगे। अमेरिकी सेना ने मुहिम को इस खूबी से संचालित किया कि किसी को पेशगी भनक भी न लगी। वेनेजुएला के सुरक्षा–बल कोई प्रतिरोध नहीं कर सके और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अप?नी पत्नी सिलिया फ्लोरेंस के साथ–डेल्टा फोर्स के हत्थे चढ़ गये। वह राजधानी काराकास में सैनिक अड्डे में पत्नी के साथ निश्चिंत सो रहे थे कि अमेरिका के फौजी जवानों ने उन्हें दबोच लिया। मादुरो ने नजदीकी इस्पाती कक्ष में भागने की कोशिश कीं, किंतु असफल रहे। उन्हें बलात खींचते हुये बाहर ले जाया गया। उन्हें हथकड़िया पहनाई गयी और आँखों पर पट्टी बाँधा दी गई। कुछ ?ही घंटों बाद वह अमेरिका में थे। इस दशा में वह लोअर मैनहट्टन में थे और उपस्थित जनों को श्गुडनाइटश और हैप्पी न्यू इयरश कहते पाये गये। अमेरिकी डिटेंशन सेंटर में रखे गये मादुरो पर अब मादक पदार्थों की तस्करी व अन्य अपराधों के लिये अमेरिकी कानून के तहत मुकदा चलेगा। इस मुकदमें के फैसले का अनुमान लगाना कठिन नहीं है। अमेरिकी सेना को इस आक्रामक कारवाई के पूरा करने में बमुश्किल तीस मिनट लगे। जिस टुकड़ी ने इसे संपन्न किया, उसे फौज की एलीट टुकड़ी माना जाता है। इस कथित भद्र टुकड़ी ने पिछली लगभग एक छमाही में खूब तैयारी और अभ्यास किया। मादुरो क्या खाते हैं कहाँ जाते हैं और क्या पहनते हैं, यहाँ तक कि उनके पेटस (कुत्तों) की गतिविधियों की राई रत्ती जानकारी जुटाई गयी। रिहर्सल के लिये उनके ठिकाने की अनुकृति तैयार की गयी और चाक–चौबंद इंतजाम के बाद मिशन को अंजाम दिया गया। इस अभियान में अमेरिका ने आधुनिकतम अपाचे हेलीकाप्टरों का भी इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि अपाचे के साथ प्रतिरोध का ऐतिहासिक जनजातीय संदर्भ जुड़ा हुआ है। यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि अमेरिका को अपनी आक्रामक सैन्य कार्रवाई में किसी प्रतिरोध का सामना क्यों नहीं करना पड़ाध? अमेरिकी पाबंदियों और ट्रंप की चेतावनियों के परिप्रेक्ष्य में मादुरो को सजग और सन्नद्ध रहना था। क्या वह ट्रंप के अंतिमेत्थम को घघ्ड़की मान रहे थे? वह अपनी सुरक्षित मांद में होते तो उन्हें दबोचना मुश्किल था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मादुरो ने सन 2013 में शावेज के उत्तराधिकारी के तौर पर सत्ता संभाली थी, घरेलू और वैदेशिक नीति में वह शावेज के नक्शे पर चले। उन्होंने खुद तेल भंडारों का दोहन करना चाहा, जिन पर वाशिंगटन की अर्से से गिद्ध दृष्टि है। सन 2018 और सन 2024 के आम चुनावों में उन पर श्वोट चोरीश के गंभीर आरोप लगे। अमेरिका और योरोपीय देशों समेत घरेलू विपक्ष ने माना कि मादुरो चुनावी धांधली से फिर से सत्ता में आये हैं।

पहले उबड़खाबड़ रास्तों को बनाकर पक्की सड़क से जोड़ो, अखिलेश ने कसा तंज

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हमीरपुर की खराब सड़क की स्थिति को लेकर भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने एक समाचार पत्र की कटिंग शेयर करते हुए भाजपा को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि चांद पर बाद में जाइएगा, माननीय भाजपाइयों पहले उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के छानी, गऊघाट, मजरा परसदवा डेरा के चांद की सतह जैसे ऊबड़खाबड़ मिट्टी के रास्ते को पक्की सड़क बनाकर छानी–भुलसी संपर्क मार्ग से जोड़ दीजिए, ग्रामवासियों पर अति कृपा होगी। इसके पहले अखिलेश यादव ने असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती परीक्षा रद्द करने को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा और अभ्यर्थियों को संबोधित करते

हुए कहा कि परीक्षाओं को रद्द करने से कुछ नहीं होगा, अगर वही लोग फिर से परीक्षा कराएंगे तो धांधली फिर से होगी। डबल इंजन के दुष्काल में अभ्यर्थी दुबारा मतलब डबल ठगे जाएंगे। भाजपा सरकार ये नाटक बंद करे और स्वीकार करे कि वो युवाओं को यूं ही साल–दर–साल कभी पर्चा लीक होने के नाम पर, कभी कॉपी बदले जाने के नाम पर, कभी आरक्षण की चोरी के नाम पर, कभी डबल पारी के घपले के नाम पर, कभी नार्मलाइजेशन के नाम पर, कभी कोर्ट–कचहरी के नाम पर या किसी और बहाने युवाओं को नचाती रहेगी पर कोई भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं करेगी। दरअसल ये सब नौकरी न देने की भाजपाई साजिश है क्योंकि नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। उन्होंने आगे कहा कि सच तो ये है कि भाजपा आरक्षण का विरोध करते–करते नौकरी की ही विरोधी हो गयी है, जिसका नुकसान हर वर्ग के लोगों को उठाना पड़ रहा है। जो कह रहे हैं कि उप्र में नौकरियों की बरसात हो रही है सही मायनों में उन्होंने उप्र में नौकरी का दलदल बना दिया है, जिससे कोई बाहर ही नहीं आ पाता है। आगामी चुनावों में नौकरी चाहनेवाला हर वर्ग का युवा हर परीक्षा में धांधली करनेवाली भ्रष्ट भाजपा के खिलाफ वोट करेगा, और इसमें सबसे ज़्यादा प्रतिशत उनका होगा जिन्हें अपना जेबी वोट समझकर भाजपा हमेशा उपेक्षित करती रहती है। हमारा सीधा आह्वान है। अपना भविष्य बदलना है तो सरकार बदलिए! भाजपा जाए तो नौकरी आए!

सिर गायब धड़ पड़ा मिला, लाश देख कांप गए लोग

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में बृहस्पतिवार की सुबह एक युवक की सिर कटी लाश मिली। उसका धड़ मिला है, सिर गायब है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना जायस कोतवाली क्षेत्र के मोजमगंज पुल के पास की है। यहां मिली सिर कटी लाश की पहचान प्रतापगढ़ के सरसठ चौक नगर कोतवाली क्षेत्र के निवासी विजय सिंह के रूप में हुई। जेब से मिले आधार कार्ड से पुलिस ने पहचान की। इसके बाद घरवालों को खबर दी गई। विजय की लाश यहां कैसे पहुंची, इसकी जानकारी अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। एसपी अपर्णा रजत कौशिक भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य संकलन कराया गया। प्राथमिक जांच में पचा चला है कि धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गई है। हत्यारों ने सिर गायब कर दिया है। एसपी ने बताया कि वारदात की गहनता से जांच की जा रही है। जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर पर आपत्तियों का खुद जवाब दे रहे सीईओ

लखनऊ, (संवाददाता)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के तहत जारी की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची को लेकर उठ रही आपत्तियों और शिकायतों का प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जवाब दे रहे हैं। वे लिखते हैं कि एसआइआर का अभी केवल प्रारंभिक चरण पूरा हुआ है। 6 मार्च को जारी अंतिम मतदाता सूची ही निर्णायक होगी। सीईओ ने एक्स पर कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल की आपत्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम होना या न होना निर्णायक नहीं है। असली महत्व अंतिम मतदाता सूची का है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि यदि नाम किसी कारणवश ड्राफ्ट सूची में नहीं दिख रहा है तो फार्म–6 भरकर इसमें जुड़वा सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी मतदाता का नाम पुराने पते से हट चुका है और नए पते पर अभी जोड़ा नहीं गया है, तो इसे दोनों जगह से नाम हटना नहीं माना जाना चाहिए। वह सीधे फॉर्म–6 भरें। ड्राफ्ट मतदाता सूची को सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) 11 जनवरी को प्रदर्शित करेंगे और पढ़ेंगे। वह लोगों को बताएंगे कि किसका नाम सूची में है और किसका नहीं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा की ओर से सभी जिलों के डीएम को इस बारे में निर्देश दे दिए गए हैं। मतदाता सूची से नाम कटवाने के लिए फॉर्म–7 भरकर अभी तक 49399 आवेदन आ चुके हैं। अब ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी किए जाने के बाद डुप्लीकेट व मृत मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए भी आवेदन किया जाएगा। वहीं बड़ी संख्या में शादीशुदा महिलाएं अपना नाम ससुराल वाले जिले या क्षेत्र में स्थानांतरित कराने के लिए फॉर्म–8 भर सकती हैं।

84 करोड़ से 640 रेलवे स्टेशनों पर बनेंगे 1680 महिला शौचालय

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के 640 रेलवे स्टेशनों पर महिला यात्रियों की सुविधा के लिए 1680 शौचालय बनाए जाएंगे। इस पर करीब 84 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजा गया है, जिसे लगभग स्वीकृति मिल चुकी है। पहले चरण में निर्माण कार्यों के लिए 15 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। रेलवे स्टेशनों पर महिलाओं के लिए शौचालयों की कमी एक बड़ी समस्या रही है, जिसके कारण महिला यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। दैनिक यात्री एसोसिएशन ने इस मुद्दे को बार–बार उठाया, यहां तक कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तक शिकायत की गई। इसी के परिणामस्वरूप महिला यात्रियों की सुविधा के लिए शौचालय निर्माण की मंजूरी दी जा रही है। उत्तर प्रदेश में इस योजना के तहत उत्तर रेलवे के लखनऊ और मुरादाबाद मंडल, पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, इज्जतनगर और वाराणसी मंडल तथा उत्तर मध्य रेलवे के आगरा, झांसी और प्रयागराज मंडल के स्टेशन शामिल हैं। इन तीनों जोन के अंतर्गत आने वाले 640 स्टेशनों पर महिला शौचालय बनाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, माघ मेले के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। मेले के दौरान यात्रियों की अधिक भीड़ और ट्रेनों के संचालन में व्यस्तता के कारण काम संभव नहीं होगा।

पार्किंग खाली, सड़कों पर वाहनों की कतार लगा रही जाम

लखनऊ, (संवाददाता)। हजरतगंज की मल्टीलेवल पार्किंग में बेसमेंट सहित पांच तल हैं। यहां 950 चार पहिया और 200 दोपहिया वाहन खड़े हो सकते हैं, लेकिन आधी पार्किंग हमेशा खाली रहती हैं। बुधवार को यही हाल डीएम आवास के सामने सरोजिनी नायडू पार्क और दयानिधान पार्क की भूमिगत पार्किंगों का भी दिखा। इसका कारण यह है कि हजरतगंज, लालबाग और अन्य इलाकों में लोग नो–पार्किंग में वाहन खड़े कर रहे हैं। शहर में जाम बड़ी समस्या है। इसके समाधान के लिए प्रशासन उपाय कर रहा है, पर इसका खास असर नहीं दिख रहा है। लोग सड़क पर वाहन न खड़े करें, इसके लिए हजरतगंज और लालबाग में चार भूमिगत पार्किंग 15 साल पहले बनाई गईथीं। इनमेंसे नगर निगम मुख्यालय के सामने झंडी पार्क की पार्किंग को छोड़ बाकी सब आधी खाली ही रहती हैं।

लापता महिला का कंकाल मिला पति समेत तीन पर हत्या की रिपोर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। कुबहरा गांव के बाहर सरसों के खेत में बुधवार सुबह मानव कंकाल मिला। उसके पास मिली साड़ी व चप्पल देखकर 12 दिसंबर से लापता महिला के पति और मायके वालों ने उसकी पहचान की। मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया व हंगामा किया। पुलिस ने पति, जेठ व जेठानी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर पति को हिरासत में लिया है। पुलिस का मानना है कि कंकाल लापता महिला का ही है पर इसकी पुष्टि डीएनए रिपोर्ट के बाद हो सकेगी। एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने बताया कि बुधवार सुबह खेत में मानव कंकाल मिलने की सूचना पर वह और नगराम पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने कंकाल से नमूने और पास पड़ी साड़ी व चप्पल को कब्जे में लिया। इस बीच कुबहरा गांव निवासी पीतांबर पहुंचे। उन्होंने साड़ी व चप्पल देखकर कंकाल की पहचान पत्नी पूनम (30) के रूप में की। इस बीच रामपुरा गांव से पहुंचे पूनम के मायके वालों ने भी कंकाल को बेटी के रूप में पहचानने का दावा किया। रमपुरा गांव निवासी व्यापारी रावत की बेटी पूनम का विवाह नगराम कुबहरा गांव निवासी पीतांबर रावत से हुआ था। दोनों के तीन बच्चे हैं। पूनम के पिता ने बताया कि 12 दिसंबर को बेटी ससुराल से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई थी। 13 दिसंबर को उसकी गुमशुदगी नगराम थाने में दर्ज कराई गई थी, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। मायके वालों ने पीतांबर, उसके भाई व भाभी पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर पुलिस ने पूनम के पति पीतांबर को हिरासत में लिया है। एसीपी ने बताया कि कंकाल की सही पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जाएगी। कंकाल और मायके वालों के नमूने लिए जाएंगे।

प्रदेश में 3.62 करोड़ पात्र लोग अब भी मतदाता सूची से बाहर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में करीब 3.62 करोड़ ऐसे लोग हैं, जो पात्र होते हुए भी मतदाता सूची से बाहर हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की जनसंख्या संबंधी रिपोर्ट के आधार पर चुनाव आयोग इस नतीजे पर पहुंचा है। यही वजह है कि चुनाव आयोग ने यूपी में एक माह के भीतर एक करोड़ नए मतदाता बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से सहयोग भी मांगा है। केंद्रीय विभाग की जनसंख्या के अनुमान पर जारी एक उच्चस्तरीय रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2026 में यूपी में 18 वर्ष या उससे अधिक के 16 करोड़ 16 लाख 85 हजार लोग होंगे। यानी, ये सभी लोग मतदाता बनने के योग्य हो चुके हैं। यह रिपोर्ट केंद्रीय विभाग ने वर्ष 2020 में जारी की थी। इसी रिपोर्ट को आधार बनाते हुए चुनाव आयोग अपनी रणनीति तय कर रहा है। उत्तर प्रदेश में विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत 6 जनवरी को कच्ची मतदाता सूची जारी की गई थी। इसमें 12.55 करोड़ मतदाता शामिल हैं। यानी, केंद्रीय विभाग की 18 वर्ष व उससे ऊपर की जनसंख्या और कच्ची मतदाता सूची में शामिल लोगों की संख्या में 3.62 करोड़ का अंतर है। चुनाव आयोग ने उन पात्र नागरिकों से मतदाता बनने के लिए फॉर्म–6 भरने की अपील की है, जिनके नाम कच्ची मतदाता सूची में शामिल नहीं है। पात्र लोग 6 फरवरी तक फॉर्म छह भरेंगे तो तो उनका नाम 6 मार्च को जारी फाइनल मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा। आयोग ने राष्ट्रीय व राज्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ हुई बैठक में भी कहा है कि एक माह में एक करोड़ नए मतदाता नहीं बने तो इसका मतलब होगा कि प्रयास में कहीं न कहीं कमी रही। यहां बता दें कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले चले विशेष अभियान में 50–50 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़े थे।

संक्षिप्त खबरें

नैपियर घास की रूट स्लिप उपलब्ध कराने के लिए 64 लाख रुपये स्वीकृत

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में पशुपालन को सुदृढ़ करने और चारा एवं चारागाह विकास को गति देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश चारा नीति के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में नैपियर घास की जड़ेंरूट स्लिप उपलब्ध कराने के लिए 64 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा आवश्यक शासनादेश जारी कर दिया गया है, जिससे योजना के क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जारी शासनादेश के अनुसार निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग को यह दायित्व सौंपा गया है कि स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों, अनुमोदित कार्ययोजना तथा योजना के लिए तय गाइडलाइन्स के अनुरूप ही किया जाए। साथ ही, योजना के अंतर्गत किए गए व्यय का पूरा विवरण और उपयोगिता प्रमाण–पत्र समय से उपलब्ध कराना भी निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन की जिम्मेदारी होगी। शासन ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उसी मद और प्रयोजन में किया जाएगा, जिसके लिए इसे मंजूरी दी गई है और किसी अन्य मद, योजना या कार्यक्रम में इसका व्यय पूरी तरह से अनुमन्य नहीं होगा।गौरतलब है कि नैपियर घास उच्च गुणवत्ता वाला चारा मानी जाती है, जिससे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के साथ पशुओं के पोषण स्तर में भी सुधार होता है। सरकार की इस पहल से पशुपालकों को बेहतर चारा उपलब्ध होगा, पशुधन की उत्पादकता बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। चारा नीति के तहत लिया गया ।

उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु नई पहल

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वासन को नई गति देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार का उद्देश्य है कि दिव्यांगजन शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों में समान भागीदारी प्राप्त कर सकें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ते हुए आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।इसी लक्ष्य के तहत "दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजना" लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत पात्र स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान प्रदान किया जाएगा, ताकि वे दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में परिभाषित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं से प्रभावित बच्चों और युवाओं के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप, शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास जैसी सेवाएं प्रभावी रूप से प्रदान कर सकें। योजना में मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रुग्ण दिव्यांगजन को शामिल नहीं किया गया है।प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि योजना के माध्यम से दिव्यांगजन शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और रोजगार के सभी क्षेत्रों में समान अवसर प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत अर्ली इंटरवेंशन सेंटरों की स्थापना, डे–केयर सेंटरों और प्री–प्राइमरी विद्यालयों का संचालन, प्राथमिक से हाईस्कूल स्तर तक विशेष विद्यालयों का संचालन, कौशल विकास कार्यक्रम, पाठ्य सामग्री निर्माण, ब्रेल एवं सहायक उपकरणों की उपलब्धता तथा दिव्यांगजन पुस्तकालयों है।

जहां से लिया जाता है शहर के पीने का पानी वहीं पर गोमती में मिल रहे नाले

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमती नदी की अपस्ट्रीम से जहां से ऐशबाग और बालागंज जलकल के लिए कच्चा पानी लिया जाता है, उससे थोड़ा पहले ही सीवर व नाले का गंदा पानी नदी में सीधे मिल रहा है। यहां पर जल निगम का जो सीवेज पंपिंग स्टेशन बना है उसकी क्षमता कम है, जबकि वहां पर सीवर व नाले का पानी अधिक आ रहा है। इससे वह ओवरफ्लो रहता है और गंदा पानी नदी में जाता है। ऐसे में पानी को शोधित करने पर अधिक केमिकल खर्च किया जा रहा है। गऊघाट पंपिंग स्टेशन के ठीक बगल में जल निगम के दौलतगंज एसटीपी का सीवेज पंपिंग स्टेशन बना है। यह कम क्षमता का है जबकि सीवर अधिक आता है। इसमें नगरिया नाले का भी पानी आता है, लेकिन नाले का आधा पानी ही पंपिंग स्टेशन में जाता है। आधा ऐसे ही सीधे गोमती नदी में गऊघाट इंटेक से पहले मिल रहा है और गंदा पानी गऊघाट तक जा रहा है। इसके अलावा इंटेक पॉइंट से थोड़ा आगे भी दौलतगंज एसटीपी का गंदा पानी भी गऊघाट के इंटेक चौनल में तक जा रहा है जिससे गऊघाट से जो पानी बालागंज और ऐशबाग जलकल को भेजा जाता है उसे नाले और सीवर का गंदा पानी दूषित कर रहा है। दौलतगंज एसटीपी की क्षमता 56 एमएलडी है, लेकिन यहां पर इस समय करीब 70 एमएलडी सीवर और नाले का पानी आ रहा है। इस कारण रोजाना करीब 14 एमएलडी नाले और सीवर का गंदा पानी सीधे गोमती में जा रहा है। इसे रोकने के लिए ही अब दौलतगंज में 42 एमएलडी का एक और एसटीपी बनाया जाना है। इसके बनने पर दौलतगंज एसटीपी की क्षमता बढ़कर 98 एमएलडी हो जाएगी जिससे समस्या दूर हो जाएगी, लेकिन अभी यह योजना कागज पर ही है। नमामि गंगे योजना में जल निगम ने प्रोजेक्ट बनाकर शासन को भेजा है जिसमें नया एसटीपी बनाया जाएगा और नालों को गोमती में गिरने से रोका जाएगा। पीने के लिए जिस पानी की आपूर्ति की जाती है उसकी गऊघाट और जलकल के ट्रीटमेंट प्लांट दोनों जगहों पर जांच की जाती है। इसके बाद ही आपूर्ति की जाती है। पानी को शुद्ध बनाने के लिए कई बार अधिक रसायन खर्च होता है। हर दिन रोज सुबह टीम शहर में निकलकर पेयजल के नमूनों की जांच भी करती है।

अभिलेखों और पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण को मिलेगा नया आयाम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य अभिलेखागार, संस्कृति विभाग द्वारा अभिलेखों एवं पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 19 से 23 जनवरी तक किया जा रहा है। यह कार्यशाला राज्य की अमूल्य लिखित सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की धरोहर संरक्षण के प्रति संवेदनशील दृष्टि को और अधिक सुदृढ़ करना है, साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों को अभिलेखीय एवं पांडुलिपि धरोहर से जोड़ते हुए इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार, शोध और करियर की संभावनाओं के प्रति जागरूक करना है।इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी एवं शिक्षक प्रमुख रूप से भाग लेंगे। कार्यशाला के दौरान रक्षा मंत्रालय के हिस्ट्री डिवीजन, राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत सरकार तथा देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आमंत्रित विषय–विशेषज्ञ अभिलेखों और पांडुलिपियों की पहचान, संरक्षण की आधुनिक तकनीक, प्रलेखन, डिजिटलीकरण तथा इनके अकादमिक और शोधात्मक महत्व पर विस्तृत व्याख्यान देंगे। इसके साथ ही प्रतिभागियों को व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से संरक्षण की प्रक्रियाओं से भी परिचित कराया जाएगा, जिससे वे इस क्षेत्र की तकनीकी और व्यावसायिक समझ विकसित कर सकें।यह प्रशिक्षण कार्यशाला ज्ञान भारतम मिशन की भावना के अनुरूप आयोजित की जा रही है, जिसके अंतर्गत भारत की प्राचीन और ऐतिहासिक ज्ञान–परंपरा, अभिलेखीय विरासत और पांडुलिपि धरोहरों के संरक्षण, पुनरुद्धार और व्यापक प्रसार पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस दृष्टि से यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह युवाओं को भारत की लिखित सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने के साथ–साथ राष्ट्र की ज्ञान परंपरा को संरक्षित रखने में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है।

सभी स्कूलों में नियुक्त होंगे नोडल यातायात अधिकारी

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट के आदेश पर स्कूलों के बाहर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून–व्यवस्था बबलू कुमार ने बुधवार को बैठक बुलाई। बैठक में स्कूलों के प्रबंधक, उनके प्रतिनिधि और शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल थे। इस दौरान जेसीपी ने सभी स्कूलों में नोडल यातायात अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। जेसीपी ने कहा कि छात्र–छात्राओं की सुरक्षा को देखते हुए सभी स्कूल यातायात को सुचारु बनाने के लिए कार्रवाई करेंगे। जिन स्कूलों में ऐसा नहीं हो रहा, वे कार्ययोजना तैयार करें। स्कूल खुलने और बंद होने के दौरान यातायात प्रबंधन के लिए नोडल यातायात अधिकारी ही उत्तरदायी होंगे। सभी स्कूलों को केंद्रीयकृत एनाउंसमेंट सिस्टम लगाने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा स्कूल परिसर में उपलब्ध पार्किंग स्थल में ही वाहन खड़ा करने के लिए कहा गया। बैठक में तय हुआ कि कक्षा पांच तक के बच्चे जिस वाहन से पांच–पांच की संख्या में आते हैं उन्हें स्कूल के भीतर ही उतारा जाए। जिस स्कूलों के पास पार्किंग स्थल उपलब्ध नहीं है, वह विद्यालय के पास ही पार्किंग स्थल चिह्नित करें। स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को स्कूल वैन या बस से भेजने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे वाहनों का दबाव कम होगा। स्कूल प्रबंधक अपने नोडल अधिकारी की समस्याओं और उनके सुझावों पर विचार करेंगे।बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 जनवरी तक सभी स्कूल यातायात व्यवस्था के संबंध में कार्ययोजना तैयार करेंगे। इस कार्ययोजना की समीक्षा एक संयुक्त टीम करेगी। यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए पुलिस ने बुधवार को निशातगंज चौराहे, केसरबाग चौराहे, अशोक लाट चौराहे और लालबाग चौराहे पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया।

बटेश्वर में ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान : नाविक बने संस्कृति और आस्था के संवाहक

लखनऊ, (संवाददाता)। यमुना तट पर बसे ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन ग्राम बटेश्वर में ग्रामीण पर्यटन को सशक्त और जीवंत बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल की गई है। इस प्रयास के तहत स्थानीय नाविकों की भूमिका को केवल नाव संचालन तक सीमित न रखते हुए उन्हें स्टोरी टेलिंग जैसी रचनात्मक और प्रभावी कला से जोड़ा गया है, ताकि वे पर्यटकों को बाह–बटेश्वर की संस्कृति, इतिहास, परंपराओं और आस्था से प्रत्यक्ष रूप से परिचित करा सकें। इससे न केवल पर्यटकों का अनुभव अधिक समृद्ध होगा, बल्कि स्थानीय समुदाय की आजीविका के नए आयाम भी खुलेंगे।मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान, लखनऊ के सहयोग से एसडीआरएफ टीम द्वारा 5 से 7 जनवरी तक आयोजित तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में नाविकों को बहुआयामी प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उन्हें आपदा प्रबंधन, आपात परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार, सीपीआर जैसी जीवनरक्षक तकनीकों के साथ–साथ ऑनलाइन पेमेंट जैसी आधुनिक डिजिटल सुविधाओं की भी जानकारी दी गई, जिससे वे समय के अनुरूप अपनी सेवाओं को और बेहतर बना सकें।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि बटेश्वर में ग्रामीण पर्यटन को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। नाविकों को स्टोरी टेलिंग, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सुविधाओं से जोड़कर उन्हें केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि बटेश्वर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत का संवाहक बनाया जा रहा है। इससे एक ओर पर्यटकों को गहराई से जुड़ा हुआ अनुभव मिलेगा, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर भी बढ़ेंगे।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट, लखनऊ के स्टोरी टेलर गौरव श्रीवास्तव ने नाविकों को बाह–बटेश्वर की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन विरासत की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह बताया कि किस प्रकार घाटों, नौका विहार और प्रमुख स्थलों से जुड़ी कहानियों को रोचक अंदाज में प्रस्तुत कर पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाया जा सकता है। साथ ही, सैलानियों से शिष्टाचारपूर्ण संवाद और व्यवहार पर भी विशेष जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 से उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा लगातार नाविकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है और अब तक 2500 से अधिक लोगों को इस तरह का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।एसडीआरएफ टीम ने आपात स्थितियों से निपटने के व्यावहारिक उपाय सिखाए, जबकि चिकित्सकों ने संकट के समय त्वरित प्राथमिक उपचार और सीपीआर की जानकारी दी। इसके साथ ही डिजिटल भुगतान से जुड़े प्रशिक्षण ने नाविकों को पर्यटन की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी नाविकों को पहचान और एकरूपता प्रदान करने के उद्देश्य से टी–शर्ट और सदरी वितरित की गई। अटल संकुल केंद्र, बटेश्वर में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 32 नाविकों को प्रशिक्षित किया गया।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन को केवल स्थलों तक सीमित न रखते हुए स्थानीय समुदायों को सक्रिय सहभागी बनाया जा रहा है। नाविकों के निरंतर प्रशिक्षण से उन्हें कौशल, आत्मविश्वास और एक नई पहचान मिल रही है। सरकार का लक्ष्य समावेशी पर्यटन को बढ़ावा देना है, ताकि जन सहभागिता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से पर्यटन विकास की मजबूत नींव तैयार हो और इसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत जागरूकता अभियान, दिलाया गया शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया के कुशल निर्देशन में 08 जनवरी, 2026 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत थाना–जफराबाद पर विवाह से सम्बन्धित पक्ष (ब्राम्हण, मौलवी, काजी, टेन्ट हाउस, डी0जे0, विडियो रिकार्डिंग, हलवाई, मैरेज हॉल व स्थानीय पत्रकारों के साथ) विधिक जागरूकता, जागरूकता हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य बाल विवाह के घटनाओं को रोकना, समुदाय स्थल पर शून्य सहनशीलता का वातारण विकसित करना तथा कानूनों एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से बालिकाओं एवं बालकों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये जिला प्रोबेशन अधिकारी बिजय कुमार पाण्डेय द्वारा बाल विवाह कुरीति के इतिहास, सामाजिक कुरीति का परिचय एवं बाल विवाह हेतु अब तक बने हुये कानून जैसे, बाल विवाह निरोधक अधिनियम 1929 से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम–2006 के बारे मे विस्तार से बताया। बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में बताते हुये बताया गया कि कैसे बाल विवाह की जानकारी होने पर 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर काल करके बाल विवाह को रूकवाया जा सकता है। 1098 पर कॉल करने पर बाल विवाह के शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा जाता है। बाल विवाह से बच्चों को होने वाले नुकसान के बारे में भी समाज को अवगत कराया गया और आवाह्न किया गया कि बाल विवाह मुक्त जौनपुर की शुरूआत आप अपनी ग्राम पंचायत से करें और 2026 में एक भी बाल विवाह न होने दें। उपस्थित सभी लोगों ने हाथ उठाकर बोलें कि कोई भी बाल विवाह हमारे क्षेत्र में नही होगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बाल विवाह न होने देने हेतु सभी लोगों को शपथ भी दिलवाई गयी, साथ ही बाल विवाह के सम्बन्ध में जागरूकता हस्ताक्षर अभियान का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के अन्त में थानाध्यक्ष, जफराबाद प्रकाश शुक्ला द्वारा सभी आगन्तुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जौनपुर में जुमे की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न,दिल्ली अतिक्रमण हटाने पर मुस्लिम समुदाय की मिली–जुली प्रतिक्रिया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शहर की अटाला मस्जिद में शुक्रवार को जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। दोपहर एक बजे से डेढ़ बजे के बीच हजारों लोगों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद, दिल्ली के तुर्कमान गेट पर नगर निगम द्वारा मस्जिद परिसर से अतिक्रमण हटाने के मामले पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। कई लोगों ने दिल्ली सरकार द्वारा की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को सही ठहराया। उनका मानना था कि मस्जिद के आसपास काफी अतिक्रमण था जिसे हटाना आवश्यक था। इन लोगों ने सरकार के इस कार्य की सराहना की। वहीं, कुछ अन्य लोगों का मानना था कि सरकार ने तानाशाही रवैया अपनाया है। उनका तर्क था कि यदि अतिक्रमण हटाना ही था, तो पहले वहां के निवासियों को सूचित कर और उन्हें संतुष्ट करके यह कार्य किया जाना चाहिए था।

संक्षिप्त खबरें

मो. आजम खघन की वालिदा के निधन पर अखिलेश यादव ने जताया शोक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के मीडिया पैनलिस्टध्प्रवक्ता मोहम्मद आजम खान की वालिदा श्रीमती सलमा खघन (75वर्ष) के निधन पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने गहरा शोक जताया है। आपको बता दें कि श्री खान की वालिदा का इंतकाल लखनऊ में स्थित हॉस्पिटल में हुआ। उनके निधन की जानकारी होते ही उनके गृह जनपद जौनपुर में स्थित उनके गांव –गभिरन,पोस्ट–रानीपुर में शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। कुछ लोग लखनऊ पहुंचे तो कुछ लोगों ने फोन के माध्यम से शोक संवेदना प्रकट किया। इस दौरान उनकी मिट्टी में राजनीतिक दलों के लोग, पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी, शुभचिंतक, पत्रकार व कई अन्य साथी मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शोक व्यक्त करते हुए आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

फसल को कीटो से बचायेगी सोलर लाइट ट्रैप 75 प्रतिशत अनुदान पर मिलेगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा जनपद के किसान भाईयों से अपील किया है कि वर्तमान समय में फसलों को कीटो से बचाने के लिए किसानों को कीटनाशक रसायनों का छिड़काव नही करना पडेगा। इसके लिए कृषि विभाग (कृषि रक्षा अनुभाग) द्वारा सोलर लाइट ट्रैप की व्यवस्था की है। जनपद में किसानों को खेतों में लगाने हेतु 2000 लाइटें मिली है और किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान पर दी जायेगी। इसके लिए किसानों का पंजीकरण कराना होगा। फसल को कीटों से बचाने के लिए जिस रासायनिक दवा का छिड़काव किया जाता है वह फसलों के पोषक तत्वों को नष्ट कर देती है। अब खेतों में सौर ऊर्जा से संचालित लाइट ट्रैप से हानिकारक कीटों को नष्ट किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जिलें में 2000 सोलर लाइटें आयी है यह पंजीकरण वाले किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान पर दी जायेगी। खेतों के बीच में इस सोलर लाइट को लगाया जायेगा। रात में यह सोलर लाइट जलेंगी तो लाइट के पास कीट आयेंगें लाइट के नीचे की तरफ काफी बड़ा बाक्स की तरह एक ट्रैप लगा रहेगा इस ट्रैप में पानी भरने के बाद डीजल डालना होगा लाइट के पास आने–वाले कीट उस ट्रैप में गिरकर मर जायेंगे। जिले के प्रत्येक विकास खण्ड में कृषि रक्षा इकाई केन्द्रो पर सामयिक कृषि रसायन खरपतवारनाशक रसायन में 50 प्रतिशत बायोपेस्टीसाइड में 75 प्रतिशत तथा सोलर लाइट ट्रैप फेरोमेन ट्रैप आदि पर 75 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

'प्रोस्टेट कैंसर को लेकर मेदांता अस्पताल ने चलाया जागरूकता अभियान'

'लखनऊ,। झिझक और जानकारी की कमी के कारण अक्सर पुरुष समय पर जांच नहीं कराते। यह लापरवाही कई बार बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। इन्हीं सब चीजों को ध्यान में रखते हुए मेदांता कैंसर इंस्टिट्यूट, लखनऊ में प्रोस्टेट कैंसर को लेकर जागरूकता अभियान 'सोचो मत, बात करो' की शुरुआत की गई। इस पहल का मकसद पुरुषों को प्रोस्टेट से जुड़ी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसका उद्घाटन मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर और सरोजिनी नगर से विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में आए आम लोगों के लिए एक मिनट की स्क्रीनिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे शुरुआती स्तर पर बीमारी की पहचान संभव हो और लोग इस बारे में जागरूक भी रहें। इसके अलावा विशेषज्ञों की पैनल चर्चा हुई जिसमें इसके लक्षण और उपचार को लेकर बातचीत की गई साथ ही फिटनेस गेम्स भी आयोजित किए गए, ताकि लोग स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। इस अवसर पर डॉ. राकेश कपूर ने कहा, "प्रोस्टेट कैंसर का समय पर पता चल जाए तो इसका इलाज पूरी तरह संभव है। कई बार पुरुष अपनी दिक्कतों को नजरअंदाज करते हैं या खुलकर बात नहीं करते। 'सोचो मत, बात करो' अभियान के जरिए हम यही संदेश देना चाहते हैं कि सही समय पर डॉक्टर से बात करना ही बचाव की सबसे बड़ी तैयारी है।" मेदांता कैंसर इंस्टिट्यूट का यह अभियान आम लोगोंकी भाषा मेंस्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी पहुंचाने और डर व भ्रम को दूर करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है।

रिटायर्ड सीडीओ यशवंत सिंह ने ब्लॉक प्रमुख पद पर ठोकी दावेदारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विकास विभाग में लगभग 32 वर्षों तक सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए यशवंत सिंह ने डोभी ब्लॉक प्रमुख पद के लिए अपनी दावेदारी ठोक दी है। पत्रकार भवन, जौनपुर में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि 01 नवंबर 2024 को मुख्य विकास अधिकारीध्संयुक्त विकास आयुक्त पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने अपने पैतृक निवास कच्छवन, डोभी में रहकर क्षेत्र की समस्याओं और जरूरतों को नजदीक से समझना शुरू किया। यशवंत सिंह ने बताया कि विकास विभाग में लंबे अनुभव के कारण उन्हें विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की गहरी जानकारी है, जिसका लाभ डोभी क्षेत्र के विशेषकर गरीब और वंचित वर्ग को दिलाने में वे सक्षम हैं। क्षेत्र भ्रमण के दौरान आम जनता और जनप्रतिनिधियों से मिले व्यापक समर्थन और आग्रह के बाद उन्होंने ब्लॉक प्रमुख पद का चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि डोभी क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से प्रबुद्धजनों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षाविदों और सामाजिक संस्कारों के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन वर्तमान में राजनीतिक सबलता के लिहाज से क्षेत्र कमजोर पड़ा है। डोभी की सामाजिक, सांस्कृतिक, वैचारिक और शैक्षिक विरासत को पुनः सशक्त करने के उद्देश्य से उन्होंने यह कदम उठाया है। यशवंत सिंह ने जनता को आश्वासन दिया कि यदि उन्हें अवसर मिला तो वे विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर क्षेत्र की खोई हुई गरिमा और सम्मान को वापस लाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

नईबाजार में 52 लाख दुरूस्त होंगी नाली व इंटरलॉकिंग

भदोही, (संवाददाता)। नगर में 52 लाख रुपये से विकास कार्य कराए जाएंगे। इसमें इंटरलॉकिंग, नाली मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न कार्य होंगे। 15वें वित्त से होने वाले इस कार्य से 12 नाली निर्माण, नौ नालियों की मरम्मत, छह इंटरलॉकिंग और दो सीसी रोड का कार्य होगा। वहीं, नगर में प्रकाश व्यवस्था भी दुरुस्त की जाएगी। नगर में कुल 11 वार्ड हैं। यहां करीब 22 से 25 हजार की आबादी निवास करती है। इन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर प्रशासन की जिम्मेदारी होती है। नगर पंचायत कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 15वें वित्त के बजट 52 लाख रुपये से नाली, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड, नाली मरम्मत के कार्य कराएं जाएंगे। नगर के आजाद नगर, चांदनी चौक, गुलौरा, उत्तर फटका आदि स्थानों पर निर्माण कार्य होंगे। इसी मद से नगर पंचायत कार्यालय के सामने की सड़क का टूटी नाली का चौंबर भी दुरुस्त कराया जाएगा। टूटी नाली के चौंबर के कारण बारिश के दिनों में सफर के दौरान लोगों को दिक्कतें होती हैं। वहीं, वार्ड संख्या आठ के गुलौरा बस्ती में जाने वाले मार्ग पर निरंतर पानी लगा रहता है। जिसे दुरुस्त कराया जाएगा। इससे लोगों का आवागमन सुगम होगा। ईओ सुजीत कुमार ने बताया कि शासन से नगर पंचायत प्रशासन को 15वें वित्त के तहत मिलने वाले बजट से विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।

गलन ने तोड़े आठ साल के रिकॉर्ड, बीते तीन दिन से तापमान 6.5 डिग्री पर टिका

भदोही, (संवाददाता)। कालीन नगरी में इस बार ठंड कहर बरपा रही है। मौसम विशेषज्ञ सर्वेश बरनवाल के अनुसार आठ साल पहले साल 2019 में जनवरी के पहले सप्ताह में दो दिनों तक तापमान सात डिग्री तक आया था। इसके बाद से किसी भी साल में जनवरी में इनती कड़ाके की ठंड नहीं पड़ी थी। इस साल जनवरी के पहले सप्ताह में बीते तीन दिन से न्यूनतम तापमान छह डिग्री पर टिका है। इससे गलन में रोज–रोज वृद्धि हो रही है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 16.9 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन की शुरूआत घने कोहरे से हुई। दोपहर में एक बजे के बाद दो घंटे के लिए धूप जरूर निकली लेकिन 15 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही हवा के कारण बेअसर रही। धूप में भी लोग कांपते रहे। शाम होते ही फिर से गलन बढ़ गई। रात आठ बजे ही फिर से घना कोहरा छा गया। हाईवे पर फॉग लाइट जलाकर धीमी गति से वाहन रेंगते रहे। इस साल की ठंड बच्चों की सेहत के लिहाज से सबसे खतरनाक है। इसमें माता–पिता को सतर्क रहने की जरूरत है। महाराजा बलवंत सिंह राजकीय चिकित्सालय भदोही के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश रावत ने बताया कि रात में ठंड में बढ़ रही है। बच्चे टोपी पहनना पसंद नहीं करते हैं। इस कारण उनको ठंड लगने की संभावना बढ़ जाती है। लापरवाही बरतने पर बच्चे तुंरत बीमार पड़ सकते हैं। इसका उपाय है कि रात में सोने से पहले बच्चों को केसर या हल्दी वाला गुनगुना दुध पिलाएं।

20 दिन पहले कॉलेज का हॉस्टल छोड़कर चला गया छात्र, अब उलझेगा मामला

गोरखपुर, (संवाददाता)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज से जुड़ा एक असामान्य मामला सामने आया है, जिसने प्रशासन को भी असमंजस में डाल दिया है। वर्ष 2014 में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाला एक छात्र 11 वर्ष बीत जाने के बाद भी अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सका है। वह 20 दिन पहले कॉलेज का हॉस्टल भी छोड़कर चला गया है। छात्र के पिता का कहना है कि बच्चे की मानसिक हालत ठीक नहीं है। कॉलेज प्रशासन ने इस मामले में उसके पिता को जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। जानकारी के अनुसार, छात्र करीब 20 दिन पहले कॉलेज का हॉस्टल छोड़कर अपने घर आजमगढ़ चला गया है।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बीआरडी प्रशासन ने छात्र और उसके पिता को कॉलेज बुलाकर स्थिति स्पष्ट करने को कहा था। हैरानी की बात यह है कि इतने लंबे समय तक नियमित पढ़ाई न होने के बावजूद छात्र का नामांकन कॉलेज में बना रहा। यह मामला मेडिकल शिक्षा प्रणाली में नियमों और निगरानी पर भी कई सवाल खड़े कर रहा है। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. रामकुमार जायसवाल ने बताया कि जब तक छात्र और उसके पिता स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष नहीं रखते, तब तक किसी भी प्रकार का अंतिम निर्णय नहीं लिया जाएगा। फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने का फैसला लिया गया है। छात्र के पिता ने पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला देते हुए कॉलेज प्रशासन से एक सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। कॉलेज प्रशासन के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि छात्र को आगे परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए या नहीं। साथ ही छात्र का रजिस्ट्रेशन निलंबित किया जाए या कोई अन्य विकल्प अपनाया जाए, इस पर भी अभी निर्णय लंबित है। छात्र के पिता ने बताया कि उनके बेटे की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती। वह घर पर भी कम बातचीत करता है और अक्सर गुमसुम रहता है। उसका इलाज चल रहा है।

पर्यटन मंत्री करेंगे शुभारंभ,सीएम के हाथों होगा समापन– बॉलीवुड नाइट में बादशाह बिखेरेंगे जलवा

गोरखपुर, (संवाददाता)। 11 जनवरी से चंपा देवी पार्क में शुरू हो रहे गोरखपुर महोत्सव का खाका तैयार कर लिया गया है। बुधवार को महोत्सव से जुड़े सभी कार्यक्रमों की समय सहित तिथिवार जानकारी जारी कर दी गई। इसका शुभारंभ पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समापन समारोह में शामिल होंगे। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से ही कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हो जाएगी। पहले दिन आईटीएम और बीआईटी गीडा के छात्रों की ओर से 'हैकाथॉन' का आयोजन किया जाएगा, जो प्रतिदिन आयोजित होगा। इसके बाद विभिन्न विभागों की ओर से ज्ञानवर्धक 'गोष्ठी' आयोजित होगी। स्थानीय कलाकारों को मंच देने के लिए 'सबरंग' और 'लोकरंग' का आयोजन किया जाएगा। इसमें लखनऊ की श्रृष्टि सिंह परिहार, मुंबई की रमिंदर खुराना

(ओडिसी नृत्य) और गोरखपुर की ऋतु सर्राफ, राम दरश शर्मा व बृज किशोर त्रिपाठी जैसी प्रतिभाएं नजर आएंगी। गायक वरुण जैन व कनिष्ठा पुरी अपनी प्रस्तुति से महोत्सव का मंच सजाएंगे। 12 जनवरी को वनटांगिया फैशन शो का आयोजन सुगम सिंह शेखावत और टीम की ओर से किया जाएगा। इस दौरान सुरभी सिंह, मानसी, अनन्या सहित अन्य कलाकारों की ओर से विशेष प्रस्तुतियां दी जाएंगी। यह शाम भोजपुरी संगीत प्रेमियों के नाम रहेगी। भोजपुरी नाइट में स्टार पवन सिंह को आमंत्रित किया गया है। अपने ध मामाकेदार गीतों और दमदार आवाज के लिए मशहूर पवन सिंह मंच से भोजपुरी तड़का लगाने के साथ सुपर हिट गीतों से भोजपुरी नाइट को यादगार बनाएंगे। महोत्सव के तीसरे दिन यानी 13 जनवरी को बॉलीवुड नाइट के मंच पर बादशाह मौजूद रहेंगे। वह अपने अपने हिट रैप और पार्टी गीतों से श्रोताओं को लुभाएंगे।

24 हजार रुपये घूस ले रहे थे सचिव...रंगे हाथों एंटी करप्शन टीम ने दबोचा– ठेकेदार ने की थी शिकायत

गोरखपुर, (संवाददाता)। पकड़ी वीरभद्र गांव स्थित पंचायत भवन से बुधवार की शाम को ग्राम विकास अधिकारी जयनारायण सिंह को गोरखपुर की एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। उसे महुआडीह थाना ले जाया गया। पूछताछ कर आवश्यक कार्रवाई की गई। देसही देवरिया विकास खंड में जय नारायण सिंह की ग्राम विकास अधिकारी के पद पर तैनाती है। इनके कार्य क्षेत्र में कई ग्रामसभाएं हैं। इनके कार्यक्षेत्र में मुंडेरा इमिलिया गांव भी है। जानकारी के अनुसार, कुशीनगर के थाना कसया के परसौनी गांव के रहने वाले सतीश मणि एसके ट्रेडर्स के नाम से फर्म बनाकर क्षेत्र के गांवों में ठेका पर काम कराते हैं। सतीश मणि का आरोप है कि वह मुंडेरा इमिलिया गांव में हैंडपंप का रिबोर, नाली, कूडादान मरम्मत आदि कार्य कराए हैं। इसमें लगे खर्च का भुगतान करने के एवज में ग्राम विकास अधिकारी जय नारायण सिंह रिश्वत मांग रहे थे। बुधवार की शाम को पकड़ी वीरभद्र गांव स्थित पंचायत भवनध्ग्राम पंचायत सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में बैठकर सरकारी कार्य कर रहे थे।

इस बीच सतीश मणि जयनारायण सिंह के पास पहुंचे और रिश्वत में मांगे गए रुपये दिए। इसी बीच गोरखपुर से आई एंटी करप्शन टीम ने करीब 2रू 35 बजे सतीश मणि से 24 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए जयनारायण सिंह को रंगे हाथों पकड़ लिया। उन्हें महुआडीह थाना पर लाया गया। देर शाम तक कई घंटों तक पूछताछ की गई। इसके बाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराकर एंटी करप्शन टीम सचिव को अपने साथ लेकर गोरखपुर रवाना हो गई। उधर, इस घटना से क्षेत्र में कर्मचारियों के बीच हड़कंप मच गया। महुआडीह थानाक्षेत्र के मुंडेरा इमिलिया गांव में तैनाती सचिव जयनारायण सिंह को बुधवार को गोरखपुर एंटी करप्शन टीम ने 24 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ी वीरभद्र पंचायत भवन से गिरफ्तार कर लिया। थाने पर लाकर टीम ने पूछताछ की। मामले में विधिक कार्रवाई कराकर टीम सचिव को अपने साथ लेकर गोरखपुर चली गई है। आगे की कार्रवाई गोरखपुर से ही होगी।

अजय राय को मेडिकल कॉलेज में रोका गया

गोरखपुर, (संवाददाता)। देवरिया जेल अस्पताल में भर्ती पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को मंगलवार की आधी रात सीने में तेज दर्द होने पर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने बताया कि उनकी ईसीजी रिपोर्ट खराब आई है। इसके मद्देनजर उन्हें इकोकार्डियोग्राफी (इको) कराने को कहा गया है। साथ ही उनके ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। उध ार, देर शाम पूर्व आईपीएस से मिलने पहुंचे कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय को पुलिस–प्रशासन ने मेडिकल कॉलेज परिसर में रोक दिया। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की रिमांड 21 जनवरी तक बढ़ है अब वे जिला जज की कोर्ट में अपील करने की तैयारी में हैं। औद्योगिक क्षेत्र में पत्नी नूतन ठाकुर के नाम प्लॉट आवंटन में गड़बड़ी के पूर्व आईपीएस आरोपी हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अमिताभ ठाकुर नियमित हृदय की दवा ले रहे थे लेकिन पिछले नौ दिनों से उन्होंने दवा लेना बंद कर दिया था,। जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। चिकित्सक संभावित रूप से उन्हें हायर सेंटर, लखनऊ रेफर करने पर विचार कर रहे हैं ताकि अधिक गंभीर जांच और उपचार किया जा सके। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के एमडी मेडिसिन डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि फिलहाल अमिताभ ठाकुर की हालत नियंत्रण में है लेकिन हृदय की समस्या को देखते हुए सतर्कता बरतना आवश्यक है। इन्हें पहले दमा की समस्या थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।